शहर की सड़कों में दोपहर तक सन्नाटा और शाम को जाम

शादी –ब्याह के चलते बिगड़ी स्थिति, जयस्तंभ में लगा रहा जाम, सड़क पर उतरी पुलिस

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, तेज धूप के चलते भले ही दोपहर सड़को पर सन्नाटा रहता है लेकिन शाम होते ही सड़को पर भीड़ बढ़ती है और जाम की स्थित बनती है. पिछले दो दिन से शहर में लग रहे जाम से आम आदमी परेशान है.

दरअसल इस समय शादी ब्याह का समय चल रहा है ऐसे में वाहनो की संख्या बढ़ गई है और हर चौराहे में जाम लग रहा है. सोमवार की शाम पीली कोठी, सांई मंदिर के सामने, प्रकाश चौराहा, घोड़ा चौराहा एवं जयस्तंभ चौराहे में लम्बा जाम लगा रहा. दोपहर वाहनो की आवाजाही कम रहती है और शाम को शहर में लोगो की आवाजाही बढ़ जाती है लिहाजा जाम की स्थित निर्मित होती है.

जयस्तंभ में लगे जाम में लोग एक घंटे तक फसे रहे. यातायात थाने की पुलिस सहित सिविल लाइन की पुलिस ने मोर्चा सम्भाला और जाम खुलवाया. धीरे-धीरे जाम खुला और आवाजाही शुरू हुई. इसी तरह सिरमौर चौराहा में भी जाम में लोग फसे रहे. सड़के चौड़ी हो गई है दो फ्लाई ओवर भी बने है इसके बाद भी जाम से निजात नही मिल रही है. अस्पताल चौराहा और धोबिया टंकी चौराहे में अक्सर जाम लगता है. शहरो में लग रहे जाम के पीछे सड़को पर अस्थाई अतिक्रमण एक बड़ा कारण है. सड़क पर ही हाथ ठेला खड़े होते है इसके अलावा नो-पार्किंग जोन में वाहनो के खड़े होने से जाम लगता है.

रेवांचल ट्रेन के समय सबसे ज्यादा भीड़

शाम को रेवांचल ट्रेन जाने का जब समय होता है उस दौरान रेलवे स्टेशन से लेकर रतहरा तक माडल रोड़ में सबसे ज्यादा जाम लगता है. दरअसल रेवांचल का समय शाम को 7.50 बजे रहता है और 6.30 बजे से 8 बजे तक आटो से लेकर निजी वाहनो की भीड़ बढ़ जाती है और 8 बजे के बाद से कुछ राहत मिलती है. लेकिन इस डेढ़ घंटे माडल रोड़ में सबसे ज्यादा वाहनो की भीड़ रहती है, जिसकी वजह से जयस्तंभ, ढ़ेकहा तिराहा, सिरमौर चौराहा, समान तिराहा आदि जगह जाम की स्थित बनती है. इस समय तो शादी का समय चल रहा है तो शाम ढ़लने के साथ ही जाम की समस्या शुरू हो जाती है. लेकिन रेवांचल ट्रेन के समय अक्सर जाम लगता है.

पर्याप्त बल की कमी का रोना

शहर का दायरा और वाहन लगातार बढ़ते जा रहे है लेकिन जो यातायात थाने का स्टाफ है उसे नही बढ़ाया जा रहा है वह कम है. स्वीकृत पद भी खाली है जितने पद है उनमें से अधिकांश खाली है. बगैर डीएसपी के यातायात थाना चल रहा है, मनोज शर्मा के जाने के बाद से डीएसपी की पदस्थापना यहा नही की गई. इसके अलावा सुबेदार एवं आरक्षक के पद खाली है. बिगड़ी यातायात व्यवस्था को लेकर अक्सर पर्याप्त बल न होने का रोना रोया जाता है. सड़क चौड़ी होने के बावजूद शहर वासियों को जाम से निजात नही मिल पा रही है.

ठेकेदारों के इशारों पर चल रहा आबकारी तंत्र, चल रही पैकारी

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिम्मेदार आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है.

रीवा और नवगठित मऊगंज जिले में इन दिनों यह चर्चा आम हो चली है कि क्या आबकारी पुलिस शासन और संविधान के नियमों के तहत कार्य कर रही है, या फिर ठेकेदारों के इशारों पर संचालित हो रही है. हालिया घटनाक्रम ने इस बहस को और तेज कर दिया है. बताया जा रहा है कि कटरा क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई के बाद संबंधित आबकारी टीम गढ़ के समीप स्थित एक ढाबे पर पहुंची, जहां कथित तौर पर खुलेआम सौदेबाजी किए जाने की बात सामने आई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार 19 अप्रैल 2026 को शाम लगभग 7:08 बजे ढाबे में जिस तरह से बातचीत और लेन-देन का सिलसिला चला, उसने पूरे मामले को संदिग्ध बना दिया है. यह घटनाक्रम अब जनचर्चा का विषय बन चुका है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संबंधित ढाबे में लगे सीसीटीवी कैमरों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो न केवल इस घटना बल्कि पूर्व में हुई ऐसी कई संदिग्ध बैठकों का खुलासा हो सकता है. आरोप है कि यह ढाबा कथित रूप से 'सेटिंग' और 'मैनेजमेंट' का अड्डा बनता जा रहा है, जहां कानून के बजाय समझौते की भाषा चलती है. इस पूरे प्रकरण ने न केवल आबकारी विभाग बल्कि समूचे प्रशासनिक तंत्र की साख को प्रभावित किया है. आम नागरिकों में यह धारणा बनती जा रही है कि नियम-कानून केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं.

कार्रवाई में पक्षपात के आरोप

ग्रामीणों और जानकारों का आरोप है कि आबकारी विभाग की छापेमारी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं है. कई बार यह देखने में आया है कि ठेकेदारों के हित प्रभावित होने पर ही अवैध पैकारी पर सख्ती दिखाई जाती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री जारी रहती है. सूत्रों की मानें तो रीवा और मऊगंज जिले में वर्तमान समय में लगभग ढाई से तीन हजार तक अवैध शराब की 'पाइकारी' या गाड़ी दुकानों का संचालन हो रहा है. इतने बड़े स्तर पर चल रहे इस अवैध नेटवर्क के बावजूद विभाग की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है. यदि वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में अवैध कारोबार सक्रिय है, तो फिर नियमित कार्रवाई के दावे कितने वास्तविक हैं यह जांच का विषय है.

संक्षिप्त

पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री आज आएंगी

रीवा, पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु और अर्द्ध घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) श्रीमती कृष्णा गौर रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 21 अप्रैल को सुबह 7.55 बजे रीवा पहुंचेंगी. श्रीमती गौर सर्किट हाउस में सुबह 10 बजे विभागीय अधिकारियों की बैठक लेंगी तथा छात्रावासों का निरीक्षण करेंगी. श्रीमती गौर पार्टी कार्यालय में दोपहर 2 बजे पत्रकारों से चर्चा करने के उपरांत दोपहर 3 बजे मैहर के लिए प्रस्थान करेंगी.

जागरूकता शिविर आज

रीवा, मध्यप्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इस संबंध में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भू-संपदा परियोजनाओं से संबंधित अधिनियमों, नियमों और कार्य प्रक्रियाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान करना है. यह शिविर 21 अप्रैल को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट भवन के मोहन सभागार कक्ष में आयोजित किया जाएगा. शिविर में प्राधिकरण की ओर से सेवानिवृत्त आईएएस और विशेष सचिव राजेश बहुगुणा मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे. संबंधित विभागों के अधिकारियों से जागरूकता शिविर में उपस्थिति का अनुरोध किया गया है.

एआई के खतरों से सचेत रहने की आवश्यकता

रीवा, 'बौद्धिकता के खतरे' विषय पर गत शाम गहन विचार विमर्श हुआ. जिसमे सभी वक्ताओं ने एक स्वर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों से आगाह करते हुए सावधानी पूर्वक नई तकनीकों का उपयोग करने की सलाह दी. अवसर था उपनयन पत्रिका के 27वे अंक के लोकार्पण-प्रकाशन सह संगोष्ठी का. यह आयोजन पूर्व कुलपति अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के आवास मे किया गया. कार्यक्रम मे प्रसिद्ध नाटककार योगेश त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, कवि भृगुनाथ पाण्डेय 'भ्रमर' विशेष आमन्त्रित अतिथि उपस्थित थे. वहीं सम्पादक मंडल के संरक्षक प्रो. एन.पी.पाठक, परामर्शदाता डा. चन्द्रिका प्रसाद 'चंद्र', संयोजक डा. विवेक द्विवेदी, सम्पादक ओमप्रकाश मिश्र, सह सम्पादक डा. लालजी गौतम, उप सम्पादक रमाकांत तिवारी एवं अतिथि सम्पादक राजेश नारायण दर 'शम्मी' मौजूद रहे.

जबरन बस शुल्क का एनएसयूआई ने किया विरोध

रीवा, पीएम एक्सीलेंस में छात्रों से बस सुविधा के नाम पर अनिवार्य शुल्क वसूली के विरोध में रीवा एनएसयूआई ने आवाज उठाई है. एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा. जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि सरकार द्वारा एक्सीलेंस कॉलेजों में लागू नई नीति के तहत सभी छात्रों से बस शुल्क अनिवार्य रूप से लिया जा रहा है, चाहे वे बस सेवा का उपयोग करें या नहीं. इसे छात्र विरोधी निर्णय बताते हुए संगठन ने इसका विरोध किया है. प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कॉलेज में लगभग 7000 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि बस संचालन की व्यवस्था केवल दो राउंड तक सीमित है. ऐसे में सभी छात्रों को बस सुविधा मिल पाना संभव नहीं है, फिर भी सभी से शुल्क लिया जाना उचित नहीं है. एनएसयूआई ने मांग की है कि जो छात्र बस सेवा का उपयोग नहीं करते, उनसे शुल्क वसूली तत्काल बंद की जाए तथा इस नीति को वापस लिया जाए. एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस विषय पर उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो एक सप्ताह के अंदर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से मुलाकात कर मामला उठाया जाएगा और यदि तब भी कोई छात्र हित में निर्णय नहीं लिया जाता है तो बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा. इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, जेएनसीटी अध्यक्ष सानुराग सिंह, जिला महासचिव शक्ति पाठक एवं मॉडल साइंस प्रभारी पीयूष तिवारी मौजूद रहे.

एक शाम सांई के नाम 26 को, स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने पर

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, शहर के गोड़हर स्थित श्री सांई मंदिर में 26 अप्रैल को वार्षिक भजन संध्या का आयोजन किया गया है.

जिसमें देश के जाने-माने गायक भुवनेश नैथानी अपनी सुर लहरी बिखेरेंगे. सांई मंदिर के प्रमुख सेवक महेश लेडवानी के

अनुसार मंदिर स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने पर यह वार्षिक आयोजन किया जा रहा है. जिसमें भजन संध्या के अलावा अभिषेक हवन एवं सांई महा जाप संपन्न होगा. कार्यक्रम सुबह से शुरू होकर शाम 6:30 बजे संध्या आरती वह उसके ठीक बात भजन संध्या आयोजित की जाएगी इस कार्यक्रम में सांई भक्तों के अलावा शहर के गणमान्य लोग भी आमंत्रित किए गए हैं. एक शाम सांई के नाम की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान भजन संध्या आयोजित होगी जिसमे भक्तों को आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव करने का अवसर मिलेगा. कार्यक्रम के आयोजन मंदिर के प्रधान सेवक महेश लेडवानी ने बताया कि वार्षिक स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है.

रीवा में विंध्य व्यापारी संघ ने शुरू की नि:शुल्क प्याऊ सेवा

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, रीवा शहर में भीषण गर्मी को देखते हुए आम जनता को राहत देने के उद्देश्य से विंध्य व्यापारी संघ द्वारा मृगनयनी क्षेत्र में निशुल्क प्याऊ सेवा की शुरुआत की गई. अंबेडकर बाजार के सामने आयोजित कार्यक्रम में फीता काटकर प्याऊ का शुभारंभ किया गया.

इस अवसर पर विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा के अध्यक्ष नरेश काली की उपस्थिति में प्याऊ का उद्घाटन किया गया. उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को साफ और ठंडा पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना समाज सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है. इसी उद्देश्य से शहर के प्रमुख चौराहों पर निशुल्क प्याऊ लगाने का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि राहगीरों और आम नागरिकों को राहत मिल सके. उद्घाटन समारोह में प्रमुख रूप से महेश थारवानी, संदीप गुप्ता (गुड्डू), मुकेश हिरवानी, दाऊ चंदवानी, अंबर निगम, विजय होतवानी, अजीज भाई, राजेश गुप्ता, रुपेश गुप्ता, बबलू, रत्नेश प्रधान, उदित गुप्ता और बब्बू थारवानी सहित विंध्य व्यापारी संघ के कई सदस्य उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के दिनों में इस तरह की व्यवस्था से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी.

गुढ़ क्षेत्र के बड़ागांव से निकलने वाली नहर का अधूरा कार्य

ठेकेदार और अधिकारियों की लापरवाही से नहर निर्माण अधर में

नवभारत न्यूज

गुढ़, 20 अप्रैल, रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बड़ागांव से निकलने वाली रतहरा डिस्ट्रीब्यूटर नहर का निर्माण कार्य पिछले लंबे समय से कछुआ गति और प्रशासनिक अनदेखी का शिकार है.

विडंबना यह है कि नहर का काम लगभग पूर्णता की ओर है और मात्र 1 से 2 किलोमीटर का पैच बचा हुआ है, लेकिन ठेकेदार की मनमानी और बाणसागर विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण यह कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है. क्षेत्रीय ग्रामीणों और किसानों ने बताया कि नहर के इस अधूरे हिस्से को पूरा करने के लिए बाणसागर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से निवेदन किया गया है. हर बार केवल आश्वासन मिलता है, लेकिन धरातल पर काम शुरू नहीं होता. किसानों का आरोप है कि नहर का निर्माण रुकने से सिंचाई का लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे रबी और खरीफ दोनों फसलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ रहा है. निर्माण कार्य में हो रही देरी का मुख्य कारण ठेकेदार की लापरवाही और विभागीय अधिकारियों की ढुलमुल कार्यप्रणाली मानी जा रही है. ग्रामीणों का कहना है कि जब मात्र 1 से 2 किमी का काम शेष है, तो इसे पूरा करने में आखिर क्या तकनीकी बाधा है? क्षेत्र वासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नहर के शेष बचे हुए निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर शुरू कर पूरा नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी.

किसानों ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और पेयजल की समस्या से निजात मिल जाए.

भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित तापमान पहुंचा 42 के पार

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, जिले में इस समय भीषण गर्मी पड रही है तेज धूप और 42 डिग्री पहुंचे तापमान से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है. सुबह से लेकर दोपहर तक तेज धूप रहती है और चार बजे के बाद कुछ राहत मिलती है, लेकिन गर्म हवाएं शाम तक चलती रहती है.

गर्मी के चलते अस्पताल में भी मरीजो की भीड़ बढ़ने लगी है. सर्दी जुखाम, बुखार, उल्टी-दस्त के मरीज अस्पताल पहुंच रहे है. पिछले तीन दिन से तेज गर्मी पड़ रही है हालत यह है कि रात के तापमान में भी बढ़ोत्तरी हुई है. रात का न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री पहुंच गया है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 42 डिग्री के ऊपर चल रहा है. गर्मी से राहत नही मिल पा रही है और अब गर्म हवाएं भी शुरू हो गई है. आने वाले दिनो में गर्मी और जोर पकड़ेगी. अभी से आसमान से आग बरसने लगी है. आने वाले एक सप्ताह के अंदर तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है.

जनगणना प्रथम चरण के लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण जारी

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है.

इस क्रम में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय सहित सभी नगर परिषदों व तहसील कार्यालयों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया. प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए तथा प्रशिक्षण के संबंध में प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को जानकारी उपलब्ध कराई गई. प्रथम

चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य मध्यप्रदेश में एक मई से 30 मई तक एक साथ संचालित किया जाएगा. द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में देशभर में संपन्न कराया जाएगा. प्रशिक्षण फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से दिया जा रहा है, जिसमें जनगणना कार्य से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की जानकारी प्रदान की जा रही है. प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना 2027 में आधुनिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग किया जाएगा. मोबाइल एप के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा तथा संपूर्ण कार्य की निगरानी जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएम एमएस) के माध्यम से की जाएगी. प्रशिक्षित प्रगणक एक मई से 30 मई तक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे एवं निर्धारित प्रारूप में आंकड़े संकलित करेंगे.

नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी कर सकेंगे जनगणना

नवभारत न्यूज

रीवा, 20 अप्रैल, जनगणना 2027 के अंतर्गत इस बार नागरिकों को पहली बार स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है. इसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर अपनी जनगणना कर सकेंगे.

स्व-गणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी. इस अवधि में नागरिक निर्धारित पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन प्रश्नावली भर सकते हैं और अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं. यह पहल जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. इससे नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ेगी और डेटा संकलन की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी. प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें. लोगो को लगातार प्रेरित किया जा रहा है.

कसई गांव में सड़क न होने पर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवभारत न्यूज

गुढ़, 20 अप्रैल, रीवा जिले अंतर्गत गुढ़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पतौता का कसई गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है.

गांव में लगभग 2 किलोमीटर की मुख्य सड़क न होने के कारण यहां के निवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं. सबसे विडंबना की बात यह है कि ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए अपनी निजी भूमि स्वेच्छा से मध्य प्रदेश शासन के नाम दर्ज करा दी है, इसके बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस ओर आंखें मूंदे बैठे हैं. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क न होने से सबसे ज्यादा परेशानी बरसात के मौसम में होती है। कच्चा रास्ता होने के कारण पूरी सड़क कीचड़ के दलदल में तब्दील हो जाती है। इस दौरान गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट जाता है. स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित होती है. आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस का गांव तक पहुंचना असंभव हो जाता है, जिससे मरीजों को खटिया पर लादकर मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ता है. ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार जिला कलेक्टर, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया है. हर बार केवल आश्वासन ही मिला है. ग्रामीणों ने विकास की उम्मीद में अपनी कीमती जमीन शासन के नाम हस्तांतरित कर दी ताकि सड़क निर्माण में कोई कानूनी अड़चन न आए. लेकिन जमीन सरकारी खाते में जाने के बाद भी सड़क का निर्माण कार्य शुरू न होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है. कसई गांव के निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन होगा.

लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आज

रीवा, 20 अप्रैल, लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 21 अप्रैल को आयोजित की गयी है. बाणसागर सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन, विकास नीति एवं योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की जायेगी. महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने बोर्ड के सदस्यों से बैठक में उपस्थिति की अपेक्षा की है.